छठी अनुसूची

द हिन्दू, हिंदुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस, (23 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में छठी अनुसूची के अन्दर आने वाले पूर्वोत्तर क्षेत्र की 10 स्वायत्त जिला परिषदों की वित्तीय और कार्यकारिणी शक्तियों को बढ़ाने के लिए केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने एक संवैधानिक संशोधन का अनुमोदन किया है।

स्वायत्त जिला परिषदें क्या हैं?

- संविधान की छठी अनुसूची के अनुसार असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों में जनजातीय क्षेत्र हैं जो अनुसूचित क्षेत्रों से तकनीकी रूप से अलग होते हैं।
- ये क्षेत्र सम्बंधित राज्य के कार्यपालक अधिकार के अन्दर तो आते हैं, परन्तु यहाँ की जिला और क्षेत्रीय परिषदों को कुछ विधायी और न्यायिक शक्तियाँ मिली हुई हैं।
- यहाँ सभी जिले स्वायत्त जिले होते हैं। राज्यपाल अधिसूचना निर्गत कर जनजातीय क्षेत्रों की सीमाओं को बाँट सकता है अथवा उनमें परिवर्तन ला सकता है।

प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य

- इस संशोधन का प्रभाव असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में रह रहे एक करोड़ के लगभग जनजातियों पर पड़ेगा।
- उन परिषदों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने का काम वित्त आयोग का होता है। अभी तक ये स्वायत्त परिषदें विशेष परियोजनाओं हेतु अनुदान के लिए केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर हैं।
- प्रस्तावित संशोधन के अनुसार असम, मिजोरम और त्रिपुरा के छठी अनुसूची के अन्दर आने वाले क्षेत्रों की ग्राम एवं नगर परिषदों की सीटों का कम से कम 1/3 स्त्रियों के लिए आरक्षित होना है।
- प्रस्तावित संशोधन असम की कार्बी एंगलॉन्ग स्वायत्त प्रादेशिक परिषद् और दीमा हसाओ स्वायत्त प्रादेशिक परिषद् को पहले दिए गये विषयों के अतिरिक्त 30 और विषय स्थानांतरित कर रहा है।

- ये अतिरिक्त इन विभागों से सम्बंधित हैं – लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, शहरी विकास विभाग और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग।
- प्रस्तावित संशोधन निर्वाचित ग्राम एवं नगर परिषदों का प्रावधान करता है जिससे कि नीचे से नीचे स्तर तक लोकतंत्र जड़ जमा सके।
- स्वायत्त परिषदों, ग्राम परिषदों एवं नगर परिषदों के लिए निर्वाचन कराने का काम राज्य निर्वाचन आयोगों को सौंपा गया है।

वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय पंचाट

pib, द हिन्दू, बिजनेस स्टैण्डर्ड, (23 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय पंचाट (Goods and Services Tax Appellate Tribunal – GSTAT) के लिए एक राष्ट्रीय बेंच की स्थापना को मंजूरी दे दी है।

मुख्य बिंदु

- यह बेंच नई दिल्ली में होगी।
- इसमें एक अध्यक्ष के अतिरिक्त एक तकनीकी सदस्य (केंद्र) और एक तकनीकी सदस्य (राज्य) होंगे।
- यह बेंच GST कानूनों से सम्बंधित द्वितीय अपील का मंच होगी।
- केंद्र और राज्यों के बीच GST से सम्बन्धित विवाद के निपटारे के लिए यह बेंच सर्वोपरि मंच होगी।
- अपीलीय अधिकारियों द्वारा प्रथम अपील में दिए गये आदेशों के विरुद्ध इस बेंच के समक्ष अपील की जा सकेगी।

संशोधन का वैधानिक आधार

- केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम (CGST act) में यह प्रावधान है कि GST से सम्बन्धित विवादों के अपील सुनने के लिए और उनकी समीक्षा करने के लिए एक तन्त्र होगा।
- इस प्रकार के तंत्र की स्थापना का अधिकार अधिनियम में केंद्र सरकार को दिया गया है। केंद्र सरकार परिषद् की अनुशंसा पर अधिसूचना निकालकर एक अपीलीय पंचाट (Appellate Authority or the Revisional Authority) का गठन करेगी।
- केंद्र सरकार को प्रदत्त इसी अधिकार के तहत प्रस्तावित संशोधन तैयार किये गये हैं और उन पर केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी ली गई है।

महत्व

- GST अपीलीय पंचाट पूरे भारतवर्ष के लिए एक सर्वोपरि मंच है जहाँ अपीलों की अंतिम सुनवाई होगी।
- इस प्रकार GST के अन्दर उठने वाले विवादों के निपटारे में तथा GST के कार्यान्वयन में समरूपता आएगी।

दस स्वास्थ्य-सम्बंधित वैश्विक संकट

टाइम्स नाउ, (23 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने ऐसे दस स्वास्थ्य-सम्बंधित वैश्विक संकटों की सूची निर्गत की है जिनपर 2019 में उस संगठन और उसके भागीदारों को तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि यदि इन संकटों के लिए उचित उपाय नहीं ढूँढे गये तो करोड़ों मनुष्यों का जीवन खतरे में पड़ जायेगा।

10 बड़े स्वास्थ्य सम्बन्धी संकट

- वायु प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन।
- असंक्रमणीय रोग।
- वैश्विक इन्फ्लूएन्जा महामारी।
- स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव।
- सूक्ष्म जीवाणुओं की प्रतिरोधकता।
- इबोला और अन्य संकटकारी वायरस।
- निम्न-स्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएँ।
- टीका लगाने से बचने की प्रवृत्ति।
- डेंगू
- एचआईवी

क्या करना होगा?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन दस संकटों से लड़ने के लिए एक पंचवर्षीय रणनीतिक योजना बनाई है जिसे 13वाँ कार्य-सम्बन्धी सामान्य कार्यक्रम का नाम दिया गया है।
- इस योजना में एक तीन बिलियनों वाला लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस योजना के अनुसार

- एक बिलियन और लोगों को सार्वभौम स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुँचाया जाएगा।

- एक बिलियन और लोगों को स्वास्थ्य से सम्बंधित आकस्मिक परिस्थितियों से सुरक्षा दी जायेगी।
- एक बिलियन और लोगों को बेहतर स्वास्थ्यमय जीवन जीने का अवसर दिया जाएगा।

प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना

टाइम्स ऑफ इंडिया, (23 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत सरकार ने प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना का अनावरण किया है।

योजना के मुख्य तथ्य

- इस योजना के अंदर भारत के अप्रवासियों के एक समूह को वर्ष में दो बार सरकार के द्वारा भारत के तीर्थस्थलों का पर्यटन कराया जाएगा।

- अप्रवासियों के समूह को भारत के सभी प्रधान धर्मों से सम्बंधित तीर्थों की यात्रा कराई जायेगी।
- यह प्रर्यटन सरकार द्वारा पूर्णत: संपोषित होगा।
- इस तीर्थ पर्यटन के लिए 45 से लेकर 65 वर्ष के भारतवंशी आवेदन कर सकते हैं और इसके लिए उनमें से एक समूह को चुन लिया जाएगा।
- समूह के चयन में "गिरमिटिया देशों" के लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी। ये गिरमिटिया देश हैं - मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, ट्रिनिडाड-टोबैगो और जमैका।

गिरमिटिया कौन थे?

- गिरमिटिया या जहाजी भारतीय मजदूरों के वे वंशज हैं जो यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा गन्ने के बगानों में काम करने के लिए जबरन फिजी, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, पूर्वी अफ्रीका, मलय प्रायद्वीप, कैरिबियन और दक्षिण अमेरिका (ट्रिनिडाड-टोबैगो, गुयाना और सूरीनाम) में ले जाए गये थे।
- जिन देशों में भारतीय मजदूरों को ले जाया गया था वे गिरमिटिया देश कहलाते हैं। कहा जाता है कि महात्मा गाँधी ने ही गिरमिटिया शब्द गढ़ा था एवं वे स्वयं को पहला गिरमिटिया बताते थे।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल

टाइम्स ऑफ इंडिया, (23 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा 17 राज्यों की रैंकिंग (ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रॉडक्ट यानी जीएसडीपी) जारी की गई है, जिसमें वर्ष 2017-18 के लिए बिहार की विकास दर सबसे बेहतर बताई गई है।
- रिपोर्ट के अनुसार बिहार वित्त वर्ष 2017-18 में राज्यों के विकास दर के मामले में टॉप पर रहा।
- क्रिसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीएसडीपी) 11.3% की दर से बढ़ा है।
- रेटिंग्स एजेंसी क्रिसिल ने उन 17 राज्यों की रैंकिंग जारी की जो केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों (सेंट्रल स्टैटिस्टिक्स डेटा) पर आधारित विभिन्न मापदंडों के अनुसार विशेष श्रेणी में नहीं आते हैं।
- एजेंसी ने छोटा राज्य होने के कारण गोवा को रैंकिंग में शामिल नहीं किया।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु

- क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसडीपी के मामले में आंध्र प्रदेश और गुजरात क्रमश: दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे।
- वित्त वर्ष 2018 में गुजरात और कर्नाटक विकास, महंगाई और वित्तीय घाटे की रैंकिंग्स में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन राज्यों में शामिल रहे।
- वित्त वर्ष 2017-18 में देश की जीडीपी ग्रोथ में सुस्ती का ट्रेंड दिखा, लेकिन इन 17 में 12 राज्यों की विकास दर पिछले पांच सालों के मुकाबले ज्यादा रही।
- रिपोर्ट के अनुसार कम आय वाले राज्यों में ऊंची विकास दर लंबे वक्त तक बरकरार नहीं रह पाई जिस कारण वे प्रति व्यक्ति आय के मामले में राज्य ऊंची आय वाले राज्यों के साथ अपनी खाई पाट नहीं सके, बल्कि यह खाई बढ़ी है।

- रिपोर्ट में कहा गया कि 11 राज्यों में निर्माण, व्यापार, होटल, विनिर्माण, परिवहन और संचार सेवाओं जैसे रोजगार केंद्रित क्षेत्रों में राष्ट्रीय दर की तुलना में कम रफ्तार से वृद्धि हुई है।

CRISIL

S&P Global

- रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात, बिहार और हरियाणा में रोजगारोन्मुख क्षेत्रों की वृद्धि सबसे तेज रही. वहीं, राजस्थान, झारखंड और मध्य प्रदेश में इनकी वृद्धि दर सबसे कम रही।
- रिपोर्ट के अनुसार गुजरात और कर्नाटक में उत्पादन ने विकास दर को बढ़ाया, मध्यप्रदेश में कृषि इसके पीछे का मुख्य कारण रही। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के पिछड़ने का कारण खनन और झारखंड के पिछड़ेपन का कारण बिजली और अन्य सुविधाएं रहीं।

हिन्द महासागर नौसैनिक सिम्पोजियम

द हिन्दू, (24 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में हिन्द महासागर से सटे हुए देशों के नौसेना कमांडर अगले महीने हिन्द महासागर नौसैनिक सिम्पोजियम (Indian Ocean Naval Symposium – IONS) में सम्मिलित होने के लिए ईरान के बन्दर अब्बास में जमा होंगे।

IONS क्या है?

- IONS 21वीं शताब्दी की पहली महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सामुद्रिक सुरक्षा पहल है जिसका अनावरण फरवरी, 2008 में हुआ था।
- यह एक ऐसा मंच है जहाँ स्थानीय नौसैनिक समस्याओं पर विचार होता है और सदस्य देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों को बढ़ावा दिया जाता है।
- वर्तमान में इसमें 35 सदस्य देश हैं जिनको चार उपक्षेत्र में वर्गीकृत किया गया है। ये क्षेत्र हैं – दक्षिण-एशिया, पश्चिम एशिया, पूर्वी अफ्रीका एवं दक्षिण-पूर्व एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया।
- इसके अतिरिक्त 9 देश इसमें पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हैं।
- यह पहल एक स्वैच्छिक पहल है जिसका उद्देश्य हिन्द महासागर क्षेत्र के समुद्र तटों वाले देशों को एक मंच पर लाना और आपस में सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है।
- 2014 में अंगीकृत इस संस्था के कारोबार प्रलेख के अनुसार इसमें कई कार्यसमूह होते हैं जो इन विषयों से सम्बंधित हैं –मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR), सूचना सुरक्षा एवं सह-संचालन तथा समुद्री डकैती-प्रतिरोध (जिसे आजकल सामुद्रिक सुरक्षा कहा जाता है)।

कलामसैट और माइक्रोसैट आर

हिन्दुस्तान टाइम्स, बिजनेस स्टैण्डर्ड, (24 Jan.)

संदर्भ

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 24 जनवरी, 2019 को विश्व के सबसे छोटे सैटेलाइट 'कलामसैट' को लॉन्च किया।
- पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल PSLV C-44 के द्वारा कलामसैट और माइक्रो सैट-आर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया।
- कलामसैट की खासियत यह है कि इसे छात्रों ने विकसित किया है। इसके अलावा, माइक्रोसैट-आर की खासियत है कि यह अन्तरिक्ष से पृथ्वी की तस्वीरें लेने में सक्षम है।
- इसरो की ओर से जारी मिशन की जानकारी के अनुसार, श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से PSLV C-44 के लॉन्चिंग सुचारु रूप से आरंभ की गई। यह इसरो के पीएसएलवी व्हीकल की 46वीं उड़ान है।

कलामसैट की विशेषताएं

- कलामसैट दुनिया का सबसे छोटा सैटेलाइट है। कलामसैट सैटेलाइट को भारतीय छात्रों के एक समूह ने तैयार किया है।
- इसका नामकरण देश के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन के नाम से मशहूर डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर किया गया है।
- यह नैनोसैटेलाइट 10 सीएम क्यूब के साथ 1.2 किलोग्राम वजनी सैटेलाइट है।
- इसको बनाने में कुल 12 लाख रुपए का खर्च आया है।
- इस सैटेलाइट को हाई स्कूल के छात्रों ने तैयार किया है। इस टीम को रिफत शरूक लीड कर रहे थे। शरूक की उम्र 18 साल है और वे तमिलनाडु के पालापत्ती के रहने वाले हैं।
- यह दुनिया का सबसे हल्का और पहला 3डी प्रिंटेड सैटेलाइट है।
- छात्रों द्वारा तैयार किए गए पे-लोड को पीएस-4 में फिट करके अंतरिक्ष भेज दिया जाएगा।
- कलामसैट इतना छोटा है कि इसे 'फेम्टो' की श्रेणी में रखा गया है। पीएस-4 लॉन्चिंग पैड का वह हिस्सा है जिसमें चौथे चरण का फ्यूल भरा जाता है।

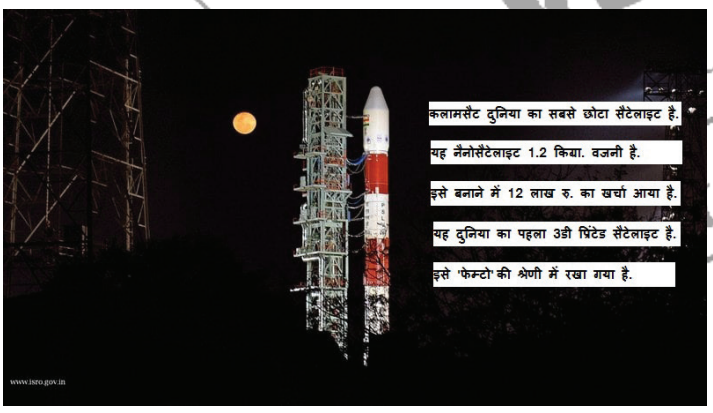

पीएसएलवी-सी44 मिशन

- पीएसएलवी-सी44 ने उड़ान भरने के लगभग 14 मिनट बाद इमेजिंग सैटेलाइट माइक्रोसैट आर को 277 किलोमीटर की ऊंचाई पर अलग कर दिया।
- अलग होने के बाद इसने लगभग 103वें मिनट में 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचकर काम करना शुरू कर दिया।
- कलामसैट सैटेलाइट रॉकेट के चौथे चरण को कक्षीय प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करेगा।
- रॉकेट ने अपने चौथे चरण में कलामसैट को अत्यधिक ऊंचाई वाली कक्षा में स्थापित कर दिया, जहां से वह परीक्षण कार्यों को अंजाम दे रहा है।

आईएनएस कोहासा

हिंदुस्तान टाइम्स, (24 Jan.)

संदर्भ

- हाल ही में एडमिरल सुनील लांबा पीवीएसएम, एवीएसएम, एडीसी, चैयरमैन सीओएससी और नौसेना प्रमुख ने 24 जनवरी, 2019 को अंडमान-निकोबार स्थित नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस शिबपुर की आईएनएस कोहासा के रूप में शुरुआत की।
- आईएन कोहासा को यह नाम व्हाइट बेलिड सी ईगल के नाम पर दिया गया है जो अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का स्थानीय बड़ा शिकारी पक्षी है।
- इस भव्य समारोह में वाइस एडमिरल विमल वर्मा, एवीएसएम, एडीसी कमांडर-इन-चीफ, अंडमान-निकोबार कमान सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।
- समारोह कार्यक्रम में औपचारिक गॉर्ड प्रस्तुति कमीशनिंग छोटी पताका फहराना और कमांडिंग अधिकारी, कमांडर कुलदीप त्रिपाठी द्वारा जहाज का वारंट पढ़ना शामिल थे।

नौसेना वायु स्टेशन - आईएनएस कोहासा

- नौसेना वायु स्टेशन शिबपुर को उत्तरी अंडमान में निगरानी बढ़ाने के लिए एक फारवर्ड ऑपरेटिंग एयरबेस (एफओएबी) के रूप में वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था। अब इसे आईएनएस कोहासा के रूप में शुरू किया गया है।
- कोको आइलैंड (म्यांमार) के नजदीक स्थित होने और भारतीय विशिष्ट आर्थिक जोन ईईजेड के व्यापक विस्तार के कारण यह एक बहुत महत्वपूर्ण परिसंपत्ति बन जाता है।

- एयरफील्ड भारतीय वायु सेना और तटरक्षक विमानों के लिए विलगन परिचालन उपलब्ध कराता है।
- यह वायु स्टेशन शॉर्ट रेंज मेरीटाइम टोही (एसआरएमआर) वायुयान और हैलीकॉप्टर संचालित करता है।
- यह वायुयान स्टेशन दायित्व के एएनसी क्षेत्र में ईईजेड निगरानी एन्टी पोचिंग मिशन खोज और बचाव (एसएआर) और मानवीय सहायता आपदा राहत एचएडीआर मिशन संचालित करता है।
- मलेशियाई एयरलाइन फ्लाइट 370 के खोज परिचालनों के दौरान नौसेना और तटरक्षक के डार्नियर डीओ 228 इसी बेस से परिचालित हुए थे।
- नीति आयोग ने एनएएस कोहासा की समावेशी द्वीप विकास के एक हिस्से के रूप में एक 'अर्ली बर्ड' के रूप में पहचान की थी।
- इस दिशा में एनएएस कोहासा नागरिक उड़ान परिचालन में सहायता प्रदान करने के लिए यह सभी तरह से तैयार है।
- इसका रन-वे बढ़ाकर दस हजार फुट करने की भी योजना है ताकि निकट भविष्य में यह बड़ी बॉडी के वायुयानों का परिचालन भी कर सके।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. 'स्वायत्त जिला परिषदों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. भारत के संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में इन परिषदों का गठन किया गया है।
2. यहां सभी जिले स्वायत्त होते हैं, राष्ट्रपति अधिसूचना निर्गत कर जनजातीय क्षेत्रों की सीमाओं को बाँट सकता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. 'वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय पंचाट' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) इसमें अध्यक्ष के अलावा केन्द्र एवं राज्यों से एक-एक तकनीकी सदस्य होंगे।
(b) यह बेंच वस्तु एवं सेवा कर कानूनों से संबंधित द्वितीय अपील का मंच होगी।
(c) यह राष्ट्रीय बेंच नई दिल्ली में होगी।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

3. हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक संकटों की सूची में निम्नलिखित में से किन्हें चिन्हित किया गया है?

1. असंक्रमणीय रोग
2. वैश्विक इन्फलूएन्जा
3. इबोला और अन्य संकटकारी वायरस
4. एचआईवी
5. स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

कूट:

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3, 4 और 5
(c) 1, 2, 3 और 5 (d) उपुर्यक्त सभी

4. 'प्रवासी तीर्थ दर्शन योजना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इस योजना के तहत भारत के अप्रवासियों के एक समूह को प्रत्येक वर्ष में दो बार भारत के तीर्थ स्थलों का पर्यटन कराया जाएगा।
2. इस तीर्थ पर्यटन के लिए 45 से लेकर 65 वर्ष के भारतवंशी आवेदन कर सकते हैं।
3. इस योजना में 'गिरमिटिया देशों' के लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

5. 'रेटिंग एजेंसी' क्रिसिल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसके द्वारा भारत के 17 राज्यों की रैंकिंग ग्रॉस स्टेट डोमेस्टिक प्रोडक्ट के आधार पर जारी की गयी।
2. जिसमें वर्ष 2017-18 के लिए आंध्र-प्रदेश की विकास दर प्रथम स्थान पर रही।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

6. 'हिन्द महासागर नौसैनिक सिम्पोजियम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह 21वीं शताब्दी की पहली महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सामुद्रिक सुरक्षा पहल है, जिसका अनावरण फरवरी, 2008 में किया गया था।
2. यह एक स्वैच्छिक पहल है, जिसका उद्देश्य हिन्द महासागर क्षेत्र के समुद्र तटों वाले देशों को एक मंच पर लाना है।

GS World Committed To Excellence

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इसरो द्वारा पोलर सैटेलाइट लाँच व्हीकल सी-44 के द्वारा कलामसैट को लाँच किया गया।
2. कलामसैट विश्व का सबसे छोटा, हल्का और 3डी प्रिंटेड सैटेलाइट है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

8. 'आईएनएस कोहासा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. अंडमान-निकोबार में स्थित नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस शिबपुर की जगह आईएनएस कोहासा के रूप में शुरू किया गया है।
2. इसका नाम व्हाइट बेलिड सी ईगल के नाम पर रखा गया है, जो अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का स्थानीय बड़ा शिकारी पक्षी है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

नोट : 20-22 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(c), 2(b), 3(c), 4(c), 5(d), 6(b), 7(b), 8(d), 9(c) होगा।

GS World
Committed To Excellence